

Title: Need to withdraw the increase in fares of premium railway services.

श्री लक्ष्मण गिलुवा (सिंहभूम) ०: नियम 377 के माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि 9 सितम्बर, 2016 से प्रीमियम रेल सेवाएं, राजधानी रेल सेवा, अताव्दी रेल सेवा एवं दूरन्तों रेल सेवाओं में किरायों को इतना बढ़ा दिया गया है कि जिससे उनके किराये हवाई जहाज से ज्यादा हो गये हैं। इसका प्रभाव यह है कि इन रेल सेवाओं की प्रथम श्रेणी एवं द्वितीय श्रेणी ए.सी. सीटें खाली रहती हैं, जिससे रेल के राजस्व को नुकसान हो रहा है। इन बढ़े किराये से दिल्ली-मुम्बई तक जाने वाले लोगों को प्रति व्यक्ति 650 रुपये ज्यादा देना पड़ रहा है। अब रेलवे का 3 ए.सी. का किराया रू. 2736 के लगभग है दूसरी तरफ दिल्ली-मुम्बई का हवाई जहाज का किराया रुपये 3396 है। लोगों का कहना है कि बिना सुविधा के यह रेल किराया बढ़ाया गया है। दूसरी ओर खाली सीटों पर टी.टी. बिना चार्ज लिये यात्रा करवा रहे हैं। मैं सरकार से अनुरोध करता हूं कि मुझे बताया जाए कि 9 सितंबर, 2016 से अप्रीमियम रेल सेवाओं में कितना राजस्व सरकार को औसत प्रतिदिन के हिसाब से मिलता है और 9 सितम्बर 2016 से पूर्व प्रतिदिन के हिसाब से कितना राजस्व इन प्रीमियम रेल सेवाओं से मिलता था।

मेरा सरकार से अनुरोध है कि इन प्रीमियम रेल सेवाओं में जो असहनीय वृद्धि की गई है उसको रद्द किया जाये क्योंकि लोगों का कहना है कि रेलवे का यह कदम रेल यात्रियों के हित में नहीं है।